इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, वृहस्पतिवार, 15 फरवरी 2024

जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

वर्ष 16 अंक 160 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 24.3°C (-1.2) न्यूनतम 16.0°C(5.7) सेंसेक्स 71,822.83 (+267.64) निफ्टी 21,840.05 (+096.80) सोना 62,310 चांदी 74,000 मुद्रा - डालर 83.02 दिरहम 22.60 रियाल 22.14

एरा विश्वविद्यालय में लगाए गए फाइलेरिया बूथ

लखनऊ (सं)। प्रदेश में शुरू हुए फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत एरा विश्वविद्यालय में फाइलेरिया बूथ लगाए गए। बूथ का शुभारम्भ एरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अब्बास अली मेहदी ने किया। इस अवसर पर एराज लखनऊ मेडिकल कालेज एडं हॉस्पिटल के प्रधानाचार्य प्रो. जमाल मसूद ने बूथ पर उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। विवि परिसर, हॉस्पिटल कैम्पस व कालेज बिल्डिंग में लगाए गए बूथ पर बुधवार को 222 लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाई गई।

फाइलेरिया बूथ का शुभारम्भ करते हुए कुलपति प्रो. अब्बास अली मेहदी ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर रोग है। इसके इलाज से अधिक बेहतर है बीमारी से बचाव। रोग से बचाव के लिए सरकार द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। सभी लोग इस अभियान का लाभ उठाते हुए फाइलेरिया की दवा जरूर खाएं। उन्होंने बताया एरा विश्वविद्यालय में फाइलेरिया की निशुल्क दवा खिलाई जा रही है। लोग बूथ पर आकर बीमारी से बचाव की दवा जरूर लें। इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रो. जमाल मसूद ने बताया कि एराज लखनऊ मेडिकल कालेज इमारत के साथ विश्वविद्यालय परिसर में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए 22 फरवरी तक दवा खिलाई जाएगी। एरा विवि के ग्राउण्ड फ्लोर पर बूथ लगाया गया है। यहां पर आकर लोग दवा खा सकते हैं। यह बूथ खासकर मेडिकल स्टूडेंट, स्टाफ व फैकल्टी मेंबर के लिए लगाए गए हैं।

उन्होंने सभी स्टाफ मेंबर से अपील की बूथ पर आकर दवा का सेवन जरूर करें। बूथ पर फाइलेरिया रोधी दवा एल्बेंडाजोल, डाईइथाईल कार्बामजीन (डीईसी) और आइवरमेक्टिन खिलाई जा रही है। पहले दिन विवि में 570, कालेज बिल्डिंग में 147 तथा हॉस्पिटल कैम्पस में 121 लोगों को दवा खिलाई गई। दूसरे दिन क्रमशः 70, 42 व 110 स्टाफ मेंबर ने दवा खाई। उन्होंने कहा कि अभियान का सफल बनाने के लिए सभी को अपना योगदान देते हुए फाइलेरिया की दवा खानी चाहिए।